Drishti IAS

करेंट अफेयर्स उत्तराखंड

जुलाई 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तराखंड **3**

- गांधी सरोवर पर हिमस्खलन 3
- बद्रीनाथ मंदिर के लिये मास्टर प्लान 3
- उत्तराखंड का पुराना लिपुलेख दर्रा 4
- धारचूला में भूस्खलन 4
- चमोली में भूकंप 6
- चार धाम यात्रा स्थगित 6
- उत्तराखंड में बारिश और गर्मी के रिकॉर्ड टूटे 8
- मुस्लिम बोर्ड सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देगा 8
- उत्तराखंड पुनः जनसंख्या वृद्धि के उपाय 9
- सतत् विकास लक्ष्य 2023-24 में उत्तराखंड देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया 10
- उत्तराखंड नई जलविद्युत परियोजनाएँ 11
- उत्तराखंड की पहली बर्ड गैलरी 12
- ग्लेशियर पर अतिक्रमण 12
- हरेला महोत्सव 2024 13
- चार धाम के नामों के प्रयोग के विरुद्ध सख्त कानून 13
- जोशीमठ में जलविद्युत परियोजना 14
- उत्तराखंड अग्निवीरों को रोज़गार प्रदान करेगा 15
- दून सिल्क 15
- उत्तराखंड का बजट आवंटन" 16
- चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क का वॉश आउट 16
- तीर्थयात्रियों के प्रबंधन हेतु केंद्र की सहायता 17
- बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण 17
- घरेलू गौरैया पर अध्ययन 18

नोट :

उत्तराखंड

गांधी सरोवर पर हिमस्खलन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केदारनाथ धाम** से चार किलोमीटर ऊपर स्थित **गांधी सरोवर** में भारी **हिमस्खलन** हुआ।

- हिमस्खलन की यह घटना **चोराबाड़ी ग्लेशियर** के पास हुई, लेकिन इसमें जान-माल की कोई हानि नहीं हुई।

मुख्य बिंदु:

- यह हिमस्खलन केदारनाथ घाटी के ऊपरी छोर पर स्थित बर्फ से ढकी **मेरु-सुमेरु पर्वत** श्रृंखला के नीचे **चोराबाड़ी ग्लेशियर** में **गांधी सरोवर के ऊपरी क्षेत्र में हुआ।**
- वर्ष 2022 में सितंबर और अक्तूबर के महीनों में इस क्षेत्र में तीन हिमस्खलन हुए।
  - मई और जून 2023 में चोराबाड़ी ग्लेशियर में हिमस्खलन की पाँच ऐसी घटनाएँ दर्ज की गईं।
- इसके बाद **भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान** और **वाडिया संस्थान** के वैज्ञानिकों ने **क्षेत्र का स्थलीय एवं हवाई सर्वेक्षण कर पूरी स्थिति का जायजा लिया।**
- वैज्ञानिकों की टीम ने हिमालयी क्षेत्र में इन **घटनाओं को 'सामान्य' बताया,** लेकिन उन्होंने **केदारनाथ धाम क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ज़ोर दिया।**

चोराबाड़ी ग्लेशियर

- चोराबाड़ी बामक ग्लेशियर के नाम से भी जाना जाने वाला यह ग्लेशियर **उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय क्षेत्र** में स्थित है।
- **मंदाकिनी नदी** चोराबाड़ी ग्लेशियर से निकलती है।

हिमस्खलन

- हिमस्खलन का आशय पर्वत या ढलान से नीचे **अचानक हिम, बर्फ और मलबे के तीव्र प्रवाह से है।**
- यह भारी बर्फबारी, तीव्र तापमान परिवर्तन या मानव गतिविधि जैसे विभिन्न कारकों के कारण हो सकता है।
- हिमस्खलन की संभावना वाले कई क्षेत्रों में **विशेषज्ञ दल मौजूद होते हैं जो विभिन्न तरीकों जैसे- विस्फोटक, बर्फ अवरोधक और अन्य सुरक्षा उपायों का उपयोग करके हिमस्खलन के जोखिमों** की निगरानी एवं नियंत्रण करते हैं।

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी (WIHG)

- वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी **विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का एक स्वायत्त अनुसंधान संस्थान है।**
- जून, 1968 में दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के दो कमरों में एक छोटे केंद्र के रूप में स्थापित इस संस्थान को अप्रैल, 1976 के दौरान देहरादून में स्थानांतरित कर दिया गया था।

बद्रीनाथ मंदिर के लिये मास्टर प्लान

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुसार, राज्य में **बद्रीनाथ मंदिर में सुविधाओं के उन्नयन के लिये 424 करोड़ रुपए का मास्टर प्लान** तैयार किया गया है।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- बद्रीनाथ मंदिर राज्य के बद्रीनाथ शहर में स्थित है और यह **चार धाम तीर्थ स्थलों** में से एक है।
- उत्तराखंड में कई धार्मिक स्थल हैं तथा **हिमालयी क्षेत्र** में उनका स्थान, जो **पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील** है। सरकार के लिये **पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करना** एवं देश भर से आने वाले **तीर्थयात्रियों के लिये बेहतर सुविधाओं की आवश्यकता को पूरा करना यहाँ एक बड़ी चुनौती** है।
- बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि वे **उधम सिंह नगर ज़िले में पंतनगर हवाई अड्डे** के विस्तार की प्रक्रिया जल्द शुरू करें।
  - साथ ही देहरादून में **जॉली ग्रांट हवाई अड्डे** के विस्तार की अनुमति देने और हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा देने की प्रक्रिया में तेज़ी लाने का अनुरोध किया।

बद्रीनाथ मंदिर

- यह मंदिर वैष्णवों के लिये **108 दिव्य देसमों में से एक भगवान विष्णु का पवित्र तीर्थस्थल** है, जिन्हें बद्रीनाथ के रूप में पूजा जाता है।
- यह उत्तराखंड के चमोली ज़िले में **अलकनंदा नदी के तट पर स्थित** है।

उत्तराखंड का पुराना लिपुलेख दर्रा

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ ज़िले की व्यास घाटी** में 18,300 फीट की ऊँचाई पर स्थित **पुराना लिपुलेख दर्रा** 15 सितंबर, 2024 से जनता के लिये सुलभ हो जाएगा।

इससे श्रद्धालु भारतीय भूभाग में तिब्बत स्थित **पवित्र कैलाश शिखर** के दर्शन कर सकेंगे।

मुख्य बिंदु:

- लिपुलेख दर्रे के माध्यम से **कैलाश-मानसरोवर यात्रा** को वर्ष 2019 में **कोविड-19 प्रकोप** के बाद निलंबित कर दिया गया था और मार्ग को चीन अधिकारियों द्वारा अभी तक नहीं खोला गया है।
- यह पवित्र ट्रेक भक्तों और साहसी लोगों को चीन के **तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र** में स्थित **कैलाश पर्वत तथा मानसरोवर झील** तक ले जाता है।
- **तीर्थयात्री** धारचूला से लिपुलेख तक कार से जा सकेंगे। वहाँ से उन्हें कैलाश शिखर के दर्शन के लिये लगभग 800 मीटर पैदल चलना होगा
- तीर्थयात्री अब भारतीय भूभाग से **ओम पर्वत** के भी दर्शन कर सकेंगे।

कैलाश मानसरोवर

- कैलाश पर्वतमाला की सबसे ऊँची चोटी **चीन अधिकृत तिब्बत** में **6,675 मीटर** की ऊँचाई पर स्थित है
- **कैलाश** और उसके दक्षिण में 30 किलोमीटर दूर स्थित पवित्र **मानसरोवर** झील की तीर्थयात्रा विशेष रूप से एक सरकारी संगठन, **कुमाऊँ मंडल विकास निगम (KMVN)** द्वारा संचालित की जाती है
  - यह संगठन भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और चीन सरकार के सहयोग से कार्य करता है।

धारचूला में भूस्खलन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड के **पिथौरागढ़ ज़िले में धारचूला जाने वाली सड़क** पर भीषण **भूस्खलन** के कारण सड़क पूरी तरह से **अवरुद्ध** हो गई है।

- **अत्यधिक वर्षा** के कारण उत्तराखंड में छह राजमार्ग और 96 सड़कें बंद हैं। भूस्खलन के कारण 47 ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- **अत्यधिक वर्षा के कारण भूस्खलन और दुर्घटनाएँ** होती हैं, जो हर मानसून में उत्तराखंड के लिये एक बड़ी चुनौती बन जाती है।
  - वर्ष 2023 में जून से सितंबर तक लगभग 100 लोग मारे गए और कई लापता हो गए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने **मानसून के दौरान सभी ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा ऑडिट कराने का आह्वान किया** तथा **विद्युत उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये राज्य में औद्योगिक संस्थानों के तीव्र विकास का आग्रह किया।**

भूस्खलन

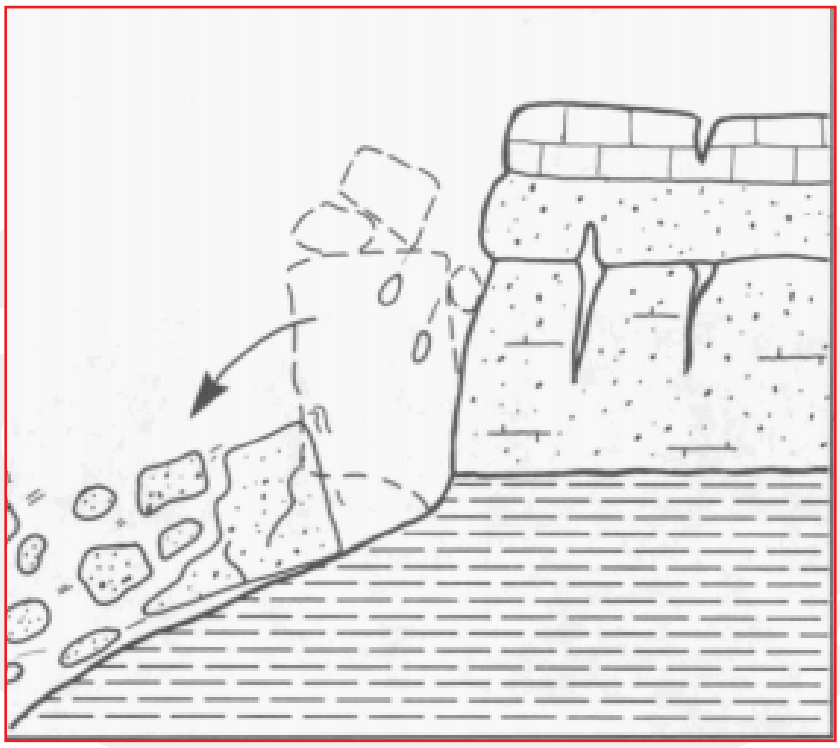

- **भूस्खलन को चट्टान, मलबे या मृदा के द्रव्यमान का ढलान से नीचे खिसकना** कहा जाता है।
- वे **एक प्रकार का सामूहिक क्षय** है, जो गुरुत्त्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव के तहत मृदा और चट्टान के नीचे की ओर होने वाले किसी भी प्रकार के संचलन को दर्शाता है।
- **भूस्खलन शब्द में ढलान की गति के पाँच प्रकार शामिल हैं: गिरना, लुढ़कना, खिसकना, फैलना और बहना।**
- **कारण:**
  - **जब नीचे की ओर कार्य करने वाले बल** (मुख्यत: गुरुत्वाकर्षण के कारण) ढलान बनाने वाले पृथ्वी के घटकों की ताकत से अधिक हो जाते हैं, तो **ढलान विस्थापन** होता है।
  - भूस्खलन तीन प्रमुख कारकों के कारण होता है: **भूविज्ञान, आकृति विज्ञान और मानवीय गतिविधि।**
    - **भूविज्ञान** सामग्री की विशेषताओं को संदर्भित करता है। धरती या चट्टान दुर्बल या खडिंत हो सकती है या अलग-अलग परतों में भिन्न-भिन्न ताकत और कठोरता हो सकती है।
    - भूमि की संरचना को आकृति विज्ञान कहा जाता है। उदाहरण के लिये भूस्खलन की संभावना उन ढलानों पर अधिक होती है, जहाँ आग या सूखे के कारण वनस्पतियाँ नष्ट हो गई हों।

नोट :

- वनस्पति मृदा को अपने स्थान पर बनाए रखती है और पेड़ों, झाड़ियों तथा अन्य पौधों की जड़ प्रणालियों के बिना, भूमि के खिसकने की संभावना अधिक होती है।
  - **मानवीय गतिविधियाँ,** जिनमें कृषि और निर्माण शामिल हैं, भूस्खलन के जोखिम को बढ़ाती हैं।

- **भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र:**
- संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र, **पूर्वोत्तर भारत के उप-हिमालयी इलाकों की पहाड़ियाँ/पर्वत, पश्चिमी घाट, तमिलनाडु के कोंकण क्षेत्र में नीलगिरी** भूस्खलन-प्रवण हैं।

चमोली में भूकंप

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तराखंड के चमोली क्षेत्र में भूकंप आया है** जिसका केंद्र जोशीमठ शहर के पास था।

मुख्य बिंदु

- राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, **रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.5 थी** और यह घटना उक्त क्षेत्र में भारी वर्षा और भूस्खलन के दौरान हुई।

जोशीमठ

- जोशीमठ **उत्तराखंड के चमोली ज़िले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-7) पर स्थित** एक पहाड़ी शहर है।
- राज्य के अन्य महत्त्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थलों के अलावा यह शहर **बद्रीनाथ, औली, फूलों की घाटी (Valley of Flowers)** एवं **हेमकुंड साहिब की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिये रात्रि विश्राम स्थल के रूप में भी जाना जाता है**
- **सेना की सबसे महत्त्वपूर्ण छावनियों में से एक जोशीमठ का भारतीय सशस्त्र बलों के लिये अत्यधिक सामरिक महत्त्व है।**
- **शहर (उच्च जोखिम वाला भूकंपीय क्षेत्र-V) के माध्यम से धौलीगंगा और अलकनंदा नदियों के संगम, विष्णुप्रयाग से एक उच्च ढाल के साथ बहती हुई धारा आती है।**

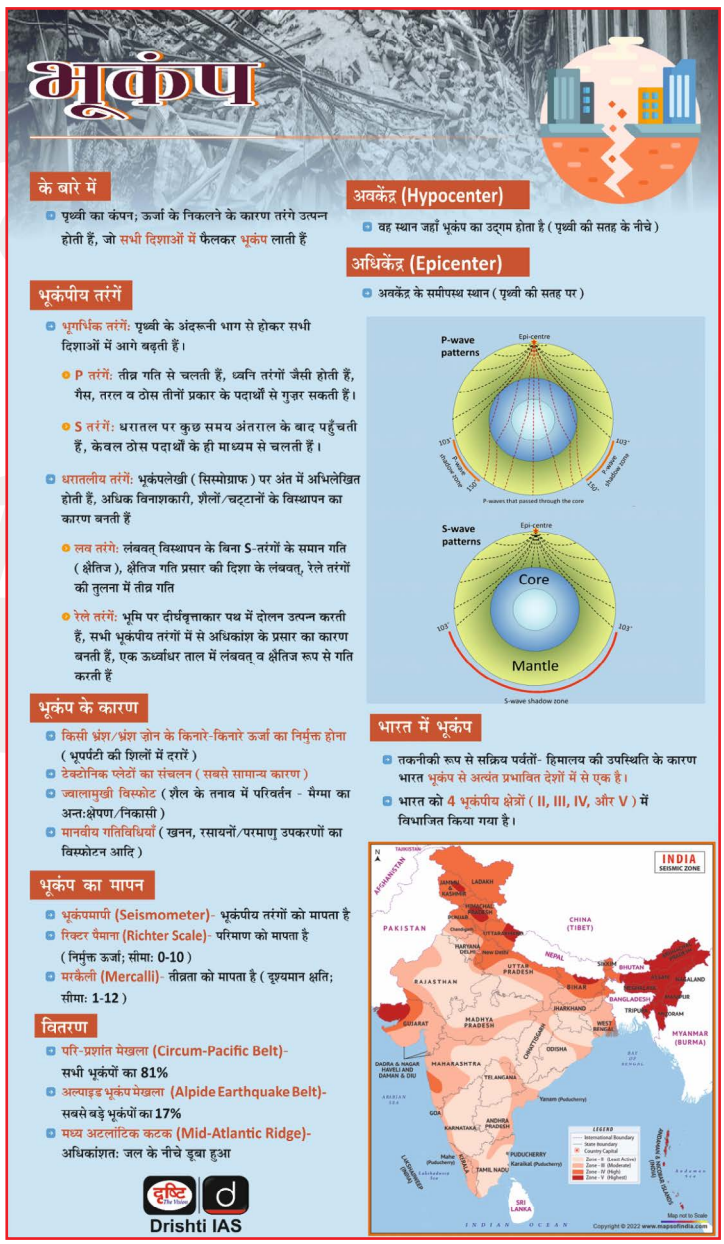

चार धाम यात्रा स्थगित

चर्चा में क्यों ?

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी **भारी बारिश** की चेतावनी के कारण **चार धाम यात्रा दो दिनों के लिये अस्थायी रूप से रोक दी गई** है।

नोट :

मुख्य बिंदु

- भारी बारिश के कारण **भू-स्खलन** हुआ है, जिससे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 100 से अधिक सड़कें एवं परिवहन अवरुद्ध हो गये हैं

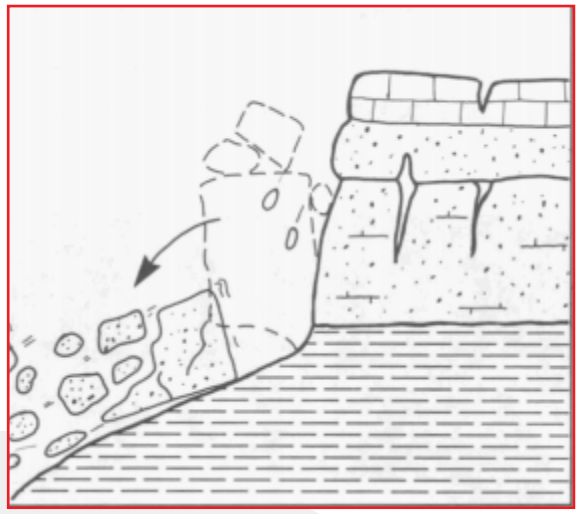

भू-स्खलन

- भू-स्खलन को **चट्टान, मलबे या मृदा के ढेर को ढलान से नीचे खिसकने** के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- भू-स्खलन एक **प्रकार का मास वेस्टिंग है,** जो गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव के तहत मृदा और चट्टान के नीचे होने वाले किसी भी प्रकार के संचलन को दर्शाता है। भूस्खलन को चट्टान, मलबे या मृदा के ढेर के ढलान से नीचे खिसकने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- भू-स्खलन में **ढलान की पाँच गतिविधियाँ शामिल हैं: गिरना, लुढ़कना, खिसकना, फैलना और बहना।**

चार धाम यात्रा

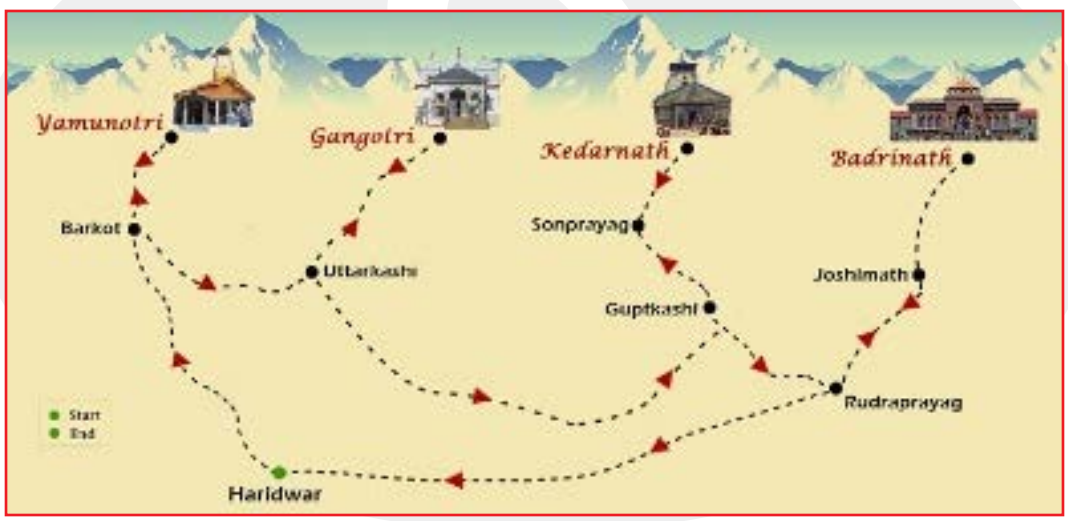

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित: भगवान शिव।**

नोट :

- **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
- भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।

- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से

उत्तराखंड में बारिश और गर्मी के रिकॉर्ड टूटे

चर्चा में क्यों?

क्लाइमेट ट्रेंड्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड में पिछले दो महीनों से **चरम मौसम की घटनाएँ** देखी जा रही हैं, जिनमें रिकॉर्ड तोड़ तापमान से लेकर अत्यधिक भारी वर्षा के कारण अचानक **बाढ़ और भूस्खलन** जैसी घटनाएँ शामिल हैं।

मुख्य बिंदु:

- वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि ने **वायुमंडलीय नमी को बढ़ा दिया है,** जिससे **घने बादल बन रहे हैं और भारी बारिश हो रही है।**
  - जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, ये **तीव्र बारिश की घटनाएँ** और भी सामान्य होती जा रही हैं।
- उत्तराखंड में बढ़ते तापमान के कारण **वनाग्नि** की घटनाएँ बढ़ रही हैं।
- **मानव-जनित जलवायु परिवर्तन** ऊँचाई वाले स्थानों में मौसम और जलवायु संबंधी चरम सीमाओं को प्रभावित कर रहा है। कई हालिया अध्ययनों में तेज़ी से प्रचलित **एलिवेशन डिपेंडेंट वार्मिंग (EDW)** पर रिपोर्ट की गई है।
  - EDW **हिमालयी नदियों और ग्लेशियरों** (ग्लेशियल द्रव्यमान संतुलन, नदी निर्वहन, बर्फबारी में परिवर्तन) को प्रभावित करता है, जो पहाड़ी क्षेत्र की आजीविका के लिये एकमात्र जल स्रोत है।

फ्लैश फ्लड (Flash Floods) या अचानक आई बाढ़

- यह घटना बारिश के दौरान या उसके बाद जल स्तर में हुई **अचानक वृद्धि** को संदर्भित करती है।
- ये आकस्मिक रूप से घटित होने वाली स्थानीयकृत घटनाएँ हैं, जिनमें बहुत अधिक आवेग होता है और सामान्यत: बारिश के साथ-साथ छह घंटे से भी कम समय में ही भीषण बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति उत्पन्न होती है।
- जल **निकासी लाइनों के अवरुद्ध** होने या अतिक्रमण के कारण जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा उत्पन्न होने पर **बाढ़ की स्थिति और भी खराब हो जाती है।**

भूस्खलन

- भूस्खलन को **चट्टान, मलबे या मृदा के द्रव्यमान के ढलान से नीचे की ओर खिसकने** के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- वे एक प्रकार का **सामूहिक अपव्यय** है, जो गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव में मृदा और चट्टान के किसी भी नीचे की ओर खिसकने को दर्शाता है।
- भूस्खलन शब्द में **ढलान की गति के पाँच तरीके शामिल हैं: प्रपात/फॉल्स, अग्रपात/टॉपल्स, स्खलन/स्लाइड, फैलाव/स्प्रेड और प्रवाह/फ्लो।**

मुस्लिम बोर्ड सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देगा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड** ने **सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court- SC)** के उस निर्णय को चुनौती देने की अपनी योजना की घोषणा की है, जिसमें **तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं** को **'इद्दत' अवधि** के **बाद भरण-पोषण** का दावा करने की अनुमति दी गई है।

नोट :

- बोर्ड, उत्तराखंड में नव अधिनियमित **समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code- UCC)** कानून को भी चुनौती देने का इरादा रखता है।

मुख्य बिंदु:

- ये निर्णय कार्यसमिति की बैठक के दौरान लिये गए, जिसके तहत आठ प्रस्तावों को मंज़ूरी दी गई
- इनमें से एक प्रस्ताव सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्णय से संबंधित है, जो **शरिया कानून** का खंडन करता है।
- हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से फैसला दिया कि **दंड प्रक्रिया संहिता (Code of Criminal Procedure- CrPC) की धारा 125 मुस्लिमों सहित सभी विवाहित महिलाओं पर लागू** होती है।
- न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि **भारतीय पुरुषों को संयुक्त खाते और ATM तक निर्बाध पहुँच** जैसी अटूट **वित्तीय सहायता** प्रदान करके **गृहणियों के महत्त्व** को स्पष्ट रूप से पहचानना चाहिये।
- बोर्ड इस बात पर प्रकाश डालता है कि विविधता हमारे देश की पहचान है, जो **संविधान** द्वारा संरक्षित है। समान नागरिक संहिता (UCC) का उद्देश्य संवैधानिक और धार्मिक दोनों स्वतंत्रताओं को चुनौती देते हुए इस विविधता को मिटाना है
- विधिक समिति **उत्तराखंड में लागू समान नागरिक संहिता कानून को चुनौती देने की तैयारी कर रही है।**

CrPC की धारा 125

- CrPC की धारा 125 के अनुसार, **प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट पर्याप्त साधन संपन्न किसी व्यक्ति को निम्नलिखित के भरण-पोषण के लिये मासिक भत्ता देने का आदेश** दे सकता है:
- उसकी पत्नी, यदि वह अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है।
- उसकी वैध या अवैध नाबालिग संतान, चाहे वह विवाहित हो अथवा नहीं, अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है
- उसकी वैध या अवैध नाबालिग संतान जो शारीरिक या मानसिक विकृतियों अथवा आघात के कारण अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ है।
- उसका पिता या माता, खुद का भरण-पोषण करने में असमर्थ है।

इद्दत अवधि

- एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपने पूर्व पति से **उचित एवं न्यायसंगत भरण-पोषण पाने की हकदार** है, जिसका भुगतान **इद्दत अवधि** के भीतर किया जाना चाहिये।
- **इद्दत एक अवधि है, जो आमतौर पर तीन महीने की होती है,** जिसे एक महिला को अपने पति की मृत्यु या तलाक के बाद दोबारा शादी करने से पहले मनाना होता है।

उत्तराखंड पुन: जनसंख्या वृद्धि के उपाय

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तराखंड के ग्रामीण विकास एवं पलायन रोकथाम आयोग** ने मुख्यमंत्री को सौंपी रिपोर्ट में प्रकट किया है कि **भारत-चीन सीमा के निकट 11 गाँवों** में कोई भी निवासी नहीं बचा है।

मुख्य बिंदु:

- यह रिपोर्ट वर्ष 2023 में **137 सीमावर्ती गाँवों के ज़मीनी सर्वेक्षण** के बाद प्रस्तुत की गई।
- इन 11 गाँवों में से छह गाँव **पिथौरागढ़ ज़िले** में हैं- गुमकना, लुम, खिमलिंग, सागरी ढकधौना, सुमातु और पोटिंग।
- इनमें से तीन **चमोली ज़िले** में हैं- रेवल चक कुरकुटी, फगती और लामतोल तथा दो **उत्तरकाशी ज़िले** में हैं- नेलांग एवं जादुंग।
- आयोग द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में सरकार के लिये विभिन्न सुझाव शामिल हैं, जैसे:

नोट :

- **सुगम्यता मानदंडों में ढील** देकर उन क्षेत्रों में सीमा पर्यटन को बढ़ावा देना।
- सीमावर्ती गाँवों में **मनरेगा कार्यक्रम** के तहत **100 दिनों के स्थान पर 200 दिनों का रोज़गार उपलब्ध कराना।**
- केंद्र द्वारा **'वाइब्रेंट विलेज'** के रूप में चिह्नित 51 सीमावर्ती गाँवों के निकट स्थित स्थानों का विकास करना।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (Vibrant Villages Programme- VVP)

- यह एक **केंद्रीय वित्तपोषित योजना** है जिसकी घोषणा **केंद्रीय बजट वर्ष 2022-23 (वर्ष 2025-26 तक)** में उत्तर में **सीमावर्ती गाँवों को विकसित करने** और ऐसे सीमावर्ती गाँवों के **निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने** के लक्ष्य के साथ की गई।
- इसमें **हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख** के सीमावर्ती क्षेत्र शामिल होंगे।
- इसके तहत 2,963 गाँवों को कवर किया जाएगा, जिनमें से 663 को पहले चरण में कवर किये जाएंगे
- ग्राम पंचायतों की सहायता से ज़िला प्रशासन द्वारा वाइब्रेंट विलेज एक्शन प्लान बनाए जाएंगे
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की वजह से **'सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम' के साथ ओवरलैप की स्थिति उत्पन्न नहीं** होगी।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act- MGNREGA) योजना

- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा **वर्ष 2005** में शुरू किया गया मनरेगा **विश्व के सबसे बड़े कार्य गारंटी कार्यक्रमों** में से एक है।
- यह पहल कानूनी गारंटी प्रदान करती है, जिससे किसी भी ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्यों के लिये **प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों का रोज़गार** सुनिश्चित होता है।
- प्रतिभागी सार्वजनिक परियोजनाओं से संबंधित अकुशल शारीरिक कार्य में संलग्न होते हैं, जो वैधानिक न्यूनतम मज़दूरी अर्जित करते हैं।

सतत् विकास लक्ष्य 2023-24 में उत्तराखंड देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया

चर्चा में क्यों ?

नीति आयोग द्वारा जारी **सतत् विकास लक्ष्य (SDG इंडेक्स) 2023-2024 रिपोर्ट** में **उत्तराखंड ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया।**

मुख्य बिंदु

- उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अनुसार, राज्य सरकार **पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था में संतुलन** बनाकर **'विकसित उत्तराखंड'** की ओर बढ़ने के लिये प्रतिबद्ध है।
- **SDG इंडिया इंडेक्स नीति आयोग द्वारा विकसित एक उपकरण है,** जो **संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित SDG** के प्रति भारत की प्रगति को मापने और ट्रैक करने के लिये है।
  - यह **सूचकांक सतत् विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण** का समर्थन करता है तथा राज्यों को इन लक्ष्यों को अपनी विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिये प्रोत्साहित करता है।
  - यह **नीति निर्माताओं** के लिये अंतराल की पहचान करने तथा **वर्ष 2030 तक सतत् विकास** प्राप्त करने की दिशा में कार्यों को प्राथमिकता देने हेतु एक **मानक** के रूप में कार्य करता है।
- भारत का **समग्र SDG स्कोर वर्ष 2023-24 में 71 हो गया,** जो **वर्ष 2020-21 में 66** और **वर्ष 2018 में 57** था। सभी राज्यों ने समग्र स्कोर में सुधार दिखाया है।
  - प्रगति मुख्यत: गरीबी उन्मूलन, आर्थिक विकास और जलवायु कार्रवाई में लक्षित सरकारी हस्तक्षेपों से प्रेरित हुई है।
  - **शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता: केरल और उत्तराखंड सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य बनकर उभरे,** जिनमें से प्रत्येक ने 79 अंक प्राप्त किये।
  - **सबसे कम प्रदर्शन: बिहार 57 अंकों** के साथ **सबसे पीछे रहा, उसके बाद झारखंड** 62 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।
  - **अग्रणी राज्य:** 32 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश (UT) अग्रणी श्रेणी में हैं, जिनमें **अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़** तथा **उत्तर प्रदेश** सहित 10 नए राज्य शामिल हैं।

नोट :

नीति आयोग

- भारत में योजना आयोग को **वर्ष 2015 में नीति आयोग** द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया गया, जिसमें **'बॉटम अप' अप्रोच** की ओर बदलाव किया गया तथा सहकारी संघवाद पर ज़ोर दिया गया।
  - **नीति आयोग की संरचना** में अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री, शासी परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल तथा विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में प्रधानमंत्री द्वारा नामित विशेषज्ञ शामिल हैं।
  - प्रधानमंत्री द्वारा एक विशिष्ट अवधि के लिये नियुक्त **मुख्य कार्यकारी अधिकारी**, जो भारत सरकार के सचिव के पद पर होता है।
- **मुख्य उद्देश्य हैं**- राज्यों के साथ सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना, ग्राम स्तर पर योजनाएँ विकसित करना, आर्थिक रणनीति में राष्ट्रीय सुरक्षा को शामिल करना, समाज के हाशिये पर आए वर्गों पर ध्यान केंद्रित करना, हितधारकों और थिंक टैंकों के साथ साझेदारी को प्रोत्साहित करना, ज्ञान तथा नवाचार हेतु एक समर्थन प्रणाली बनाना, अंतर-क्षेत्रीय मुद्दों का समाधान करना एवं सुशासन व सतत् विकास प्रथाओं के लिये एक संसाधन केंद्र बनाए रखना।

उत्तराखंड नई जलविद्युत परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र से **राज्य के लिये 2123 मेगावाट क्षमता** की 21 नई जलविद्युत परियोजनाओं की अनुमति मांगी थी।

मुख्य बिंदु

- **केंद्रीय ऊर्जा मंत्री** मनोहर लाल खट्टर टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स और राज्य में विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की **समीक्षा के लिये राज्य के दौरे पर हैं।**
- मुख्यमंत्री के अनुसार, वर्तमान में **उत्तराखंड की कुल** जलविद्युत **उत्पादन क्षमता का केवल 40% ही उपयोग किया जा रहा है।**
- विशेषज्ञ समितियों ने अलकनंदा **और** भागीरथी नदियों तथा उनकी सहायक नदियों पर कार्यान्वयन परियोजनाओं की सिफारिश की है।

नोट :

अलकनंदा नदी

- यह **गंगा की प्रमुख सहायक** नदियों में से एक है।
- इसका उद्गम उत्तराखंड के **सतोपंथ और भागीरथ ग्लेशियर** से होता है
- यह **देवप्रयाग में भागीरथी नदी से मिलती है** जिसके बाद इसे गंगा कहा जाता है।
- इसकी **मुख्य सहायक नदियाँ मंदाकिनी, नंदाकिनी और पिंडार** हैं।
- अलकनंदा प्रणाली **चमोली, टिहरी और पौड़ी ज़िलों के कुछ हिस्सों तक विस्तृत है।**
- **बद्रीनाथ** का हिंदू तीर्थस्थल और प्राकृतिक झरना तप्त कुंड अलकनंदा नदी के किनारे स्थित है

भागीरथी नदी

- यह उत्तराखंड की एक **अशांत हिमालयी नदी** है और गंगा की दो मुख्य धाराओं में से एक है।
- भागीरथी नदी 3892 मीटर की ऊँचाई पर, **गौमुख में गंगोत्री ग्लेशियर के तल से निकलती है** और 350 किलोमीटर चौड़े गंगा डेल्टा में फैलकर अंततः बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- **भागीरथी और अलकनंदा गढ़वाल में देवप्रयाग में मिलती हैं** तथा उसके बाद **गंगा के नाम से जानी जाती हैं।**

उत्तराखंड की पहली बर्ड गैलरी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तराखंड वन विभाग** ने **देहरादून में** प्रकृति शिक्षा केंद्र में राज्य की **पहली बर्ड गैलरी** स्थापित की।

मुख्य बिंदु

- यह **उत्तराखंड की पक्षी विविधता को उजागर** करने और इन अद्वितीय प्रजातियों के प्रति अधिक सराहना को बढ़ावा देने का एक प्रयास है।
  - **आगंतुकों को असंख्य पक्षी प्रजातियों** और पारिस्थितिकी तंत्र में **उनके कार्यों के बारे में शिक्षित** करके, गैलरी संरक्षण को सुगम बनाएगी तथा **इन पक्षी प्रजातियों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करेगी**
  - इस गैलरी में **उत्तराखंड के पक्षियों के उच्च-रिज़ॉल्यूशन** के चित्र प्रदर्शित किये गए हैं, जो आगंतुकों को राज्य के पक्षी निवासियों की एक शानदार झलक प्रदान करते हैं।
- उत्तराखंड में **710 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ हैं,** जो **भारत की पक्षी प्रजातियों का 50% से अधिक है।**

ग्लेशियर पर अतिक्रमण

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **स्वयंभू बाबा योगी चैतन्य आकाश** ने **उत्तराखंड के सुंदरढूंगा ग्लेशियर** पर 5,000 मीटर की ऊँचाई पर एक **अनधिकृत मंदिर** का निर्माण किया।

- **स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण पर रोष व्यक्त** किये जाने के बाद राजस्व, वन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम जाँच करेगी।

मुख्य बिंदु

- स्वयंभू धर्मगुरु ने दावा किया कि उसे एक दैवीय शक्ति द्वारा पहाड़ पर मंदिर बनाने का निर्देश दिया गया था।
- यह स्थान **पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील** है, जहाँ तीर्थयात्रियों और **स्थानीय लोगों के लिये एक पवित्र कुंड है।**
- हर बारह वर्षों में **नंदा राज यात्रा** के दौरान लोग कुंड देखने आते हैं।
- यह **उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन है,** जो तीर्थयात्रियों द्वारा पैदल ही बहुत लंबी दूरी तय करने के लिये प्रसिद्ध है। सबसे हालिया **नंदा राज यात्रा वर्ष 2014 में हुई थी।**

नोट :

- **पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील** और **धार्मिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र** में निर्मित एक अनधिकृत मंदिर ने स्थानीय प्राधिकारियों तथा उत्तराखंड सरकार के संवेदनशील क्षेत्रों में **अतिक्रमण विरोधी प्रयासों** के बारे में चिंताएँ उत्पन्न कर दी हैं।

हरेला महोत्सव 2024

चर्चा में क्यों ?

हरेला एक हिंदू त्योहार है जो **उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ क्षेत्रों,** विशेषकर **कुमाऊँ क्षेत्र** में बड़े उत्साह के साथ **मनाया** जाता है।

मुख्य बिंदु

- **हिंदू चंद्र-सौर कैलेंडर के अनुसार,** हरेला **श्रावण मास के पहले दिन** पड़ता है, जो **मानसून के मौसम की शुरुआत और नई फसलों की बुवाई** का प्रतीक है।
  - यह राज्य की **कृषि के लिये एक महत्त्वपूर्ण समय** है, क्योंकि यह "हरेला" का प्रतीक है, जो कुमाऊँनी शब्द "हरियाला" से लिया गया है, जिसका अर्थ है **"हरियाली का दिन"**, ऐसा माना जाता है कि इसकी उत्पत्ति कुमाऊँ क्षेत्र से हुई थी।
- यह त्योहार **भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच विवाह के औपचारिक उत्सव** से जुड़ा हुआ है।
  - **हरियाली या रिहायली का त्योहार हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, शिमला, सिरमौर और जुब्बल तथा किन्नौर क्षेत्रों के दख्रैन में मनाया जाता है,** जहाँ लोग अच्छी फसल एवं समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।
  - यह अवसर किसानों के लिये शुभ माना जाता है, क्योंकि यह **उनके खेतों में बुवाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है।**

चार धाम के नामों के प्रयोग के विरुद्ध सख्त कानून

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तराखंड मंत्रिमंडल** ने राज्य के **चार धाम मंदिरों के नाम का उपयोग** करने वाले संगठनों या ट्रस्टों के **विरुद्ध सख्त कानून लागू** करने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- अधिकारियों के अनुसार, ऐसे ट्रस्ट और संगठन **आम जनता में भ्रम उत्पन्न करते हैं** तथा स्थानीय परंपराओं एवं **धार्मिक मान्यताओं को भी ठेस पहुँचाते हैं।**
- चार धाम मंदिर पुजारी संघ ने भी दिल्ली में **केदारनाथ मंदिर** की प्रतिकृति की आधारशिला रखने के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

चार धाम

नोट :

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना को।
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **समर्पित:** भगवान शिव
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का घर।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

जोशीमठ में जलविद्युत परियोजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)** ने कहा कि उसे **NTPC (राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम)** को **तपोवन-विष्णुगाड जलविद्युत परियोजना स्थल** पर निर्माण कार्य फिर से शुरू करने की अनुमति देने में कोई आपत्ति नहीं है।

मुख्य बिंदु

- 5 जनवरी, 2023 को राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर **जोशीमठ** में **भूमि धँसने का मामला बिगड़ने के बाद NTPC की तपोवन-विष्णुगाड परियोजना के सभी कार्यों पर रोक लगा दी थी।**
- NDMA ने बहु-संस्थागत विशेषज्ञ संगठनों का एक समूह बनाया, जिसमें **केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान और IIT-रुड़की** आदि शामिल हैं।
- उच्च न्यायालय को सौंपी गई रिपोर्ट में NDMA ने यह भी कहा कि विशेषज्ञों ने भूमि धँसने के कई कारण गिनाए हैं, जिनमें सबसे आम कारण यह है कि **जोशीमठ शहर में अनियमित निर्माण के कारण औली से जोशीमठ तक बहने वाला प्राकृतिक जल बाधित हो गया है।**

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC)

- यह विद्युत मंत्रालय के तहत एक **केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU)** है
- यह **भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा समूह है** जिसकी जड़ें **भारत में विद्युत विकास को गति देने के लिये वर्ष 1975 में स्थापित की गई थीं।**
- इसका उद्देश्य नवीनता और चपलता से प्रेरित होकर किफायती, कुशल तथा **पर्यावरण अनुकूल तरीके से विश्वसनीय विद्युत एवं संबंधित समाधान उपलब्ध कराना** है।
- **मई 2010 में यह महारत्न कंपनी बन गई।**

नोट :

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (The National Disaster Management Authority- NDMA)

- **यह आपदा प्रबंधन के लिये** भारत का **सर्वोच्च वैधानिक निकाय** है।
- इसका **औपचारिक गठन 27, सितंबर 2006 को** आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 द्वारा किया गया था।
  - **प्रधानमंत्री इसके अध्यक्ष हैं** और इसके नौ अन्य सदस्य हैं। **नौ सदस्यों में से एक को उपाध्यक्ष के रूप में नामित** किया जाता है।
- आपदा प्रबंधन की प्राथमिक ज़िम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है।
  - हालाँकि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीति सभी के लिये अर्थात् केंद्र, राज्य और ज़िला के लिये सक्षम वातावरण प्रदान करती है।

उत्तराखंड अग्निवीरों को रोज़गार प्रदान करेगा

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य सरकार अग्निवीरों **के आरक्षण** के **लिये प्रस्ताव लाने जा रही है।**

मुख्य बिंदु

- राज्य के अग्निवीरों को राष्ट्र की सेवा करने के बाद **सरकारी विभागों और पुलिस विभाग में रोज़गार दिया जाएगा।**
- गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपनी माँ के साथ मिलकर **'एक पेड़ माँ के नाम'** अभियान के तहत पौधारोपण किया।
  - यह अभियान **प्रकृति के साथ-साथ माताओं के प्रति सम्मान** का प्रतीक है।

अग्निपथ योजना

- **"अग्निवीर"** शब्द का अर्थ "अग्नि-योद्धा" है और यह एक **नया सैन्य पद** है।
- यह **अधिकारी रैंक से नीचे के सैन्य कार्मिकों** जैसे **सैनिकों, वायुसैनिकों और नाविकों की नियुक्ति** की एक योजना है, जो **भारतीय सशस्त्र बलों** में कमीशन प्राप्त अधिकारी नहीं हैं।
- उन्हें **4 वर्ष** की अवधि के लिये नियुक्त किया जाता है, जिसके बाद, इनमें से **25% तक** (जिन्हें अग्निवीर कहा जाता है), योग्यता और संगठनात्मक आवश्यकताओं के अधीन, **स्थायी कमीशन** (अन्य 15 वर्ष) पर सेवाओं में शामिल हो सकते हैं।
- वर्तमान में, चिकित्सा शाखा के तकनीकी संवर्ग को छोड़कर **सभी नाविकों, वायुसैनिकों और सैनिकों** को इस योजना के तहत सेवाओं में नियुक्त किया जाता है।

गुरु पूर्णिमा

- हिंदू कैलेंडर के अनुसार, गुरु पूर्णिमा आमतौर पर **हिंदू माह आषाढ़ की पूर्णिमा के दिन आती है।**
- यह महर्षि वेद व्यास को समर्पित है, **जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने पवित्र हिंदू ग्रंथ वेदों का संपादन किया था तथा 18 पुराणों, महाभारत और श्रीमद्भागवतम की रचना की थी।**
- बौद्ध धर्मावलंबियों के लिये **यह त्योहार भगवान बुद्ध के प्रथम उपदेश का प्रतीक है,** जिसके बारे में कहा जाता है कि यह उपदेश इसी दिन उत्तर प्रदेश के सारनाथ में दिया गया था।
- ऐसा भी माना जाता है कि यह दिन मानसून **के आगमन का सूचक** होता है।

दून सिल्क

चर्चा में क्यों ?

दून सिल्क **को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF)** के तहत एक लेबल है जो **उत्तराखंड की प्राचीन रेशम-बुनाई परंपराओं** को बनाए रखने और पुनर्स्थापित करने के लिये प्रतिबद्ध है।

नोट :

मुख्य बिंदु

- दून सिल्क के उत्पाद उत्तराखंड के किसानों, रीलरों (Reelers), बुनकरों, शिल्पकारों और रंगाई करने वालों की प्रतिभा एवं कलात्मकता के प्रमाण हैं।
- यह ब्रांड **रेशम, ऊन, कपास, बिछुआ (बिच्छू बूटी) और जूट (Hemp) जैसे प्राकृतिक रेशों** से बने उत्पादों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करता है, जिन्हें पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालने के लिये चुना गया है।
- **गुणवत्ता और शिल्प कौशल के प्रति** ब्रांड की **प्रतिबद्धता ने इसे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय** दोनों **बाज़ारों** में महत्त्वपूर्ण उपस्थिति स्थापित करने में सहायता की है।
- हथकरघा पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करके, दून सिल्क **पारंपरिक तकनीकों को बनाए रखता है तथा** उत्तराखंड में 6,000 से अधिक लोगों को **स्थायी रोज़गार की संभावनाएँ** प्रदान करता है।
- दून सिल्क की **100% प्राकृतिक फाइबर की गारंटी** शुद्धता के प्रति उसके समर्पण को दर्शाती है।

को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन (UCRF)

- इसकी **स्थापना वर्ष 2002** में उत्तराखंड के **रेशम उत्पादन विभाग की कोकून-पश्चात गतिविधियों** को संचालित करने के उद्देश्य से **देहरादून में** की गई थी।
- 20 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, संगठन ने ऊनी और रेशमी मिश्रित कपड़ों के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए **उत्तराखंड की पारंपरिक रेशम बुनाई को पुनर्जीवित** किया है।
- UCRF और इसका ब्रांड दून सिल्क पर्यावरण तथा **पारिस्थितिकी तंत्र को होने वाले नुकसान को न्यूनतम** करने के लिये रेशम, ऊन, कपास, बिच्छू बूटी एवं जूट जैसे **प्राकृतिक रेशों का उपयोग करके हथकरघा उत्पादन को प्राथमिकता** देते हैं।

उत्तराखंड का बजट आवंटन"

चर्चा में क्यों ?

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने **उत्तराखंड** को **वित्तीय सहायता प्रदान** करने के लिये **केंद्रीय बजट** का स्वागत किया।

- बजट का उद्देश्य **बादल फटने और भूस्खलन** जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति राज्य की संवेदनशीलता को दूर करना है।

मुख्य बिंदु

- **विशेष सहायता पैकेज:** बजट में उत्तराखंड की विकास गति पर **आपदाओं के प्रभाव** को कम करने के लिये एक **विशेष सहायता पैकेज** शामिल है।
  - **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण** ने **हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड** के **साथ-साथ असम** के लिये वित्तीय सहायता की घोषणा की। इस सहायता का उद्देश्य इन क्षेत्रों में **हाल ही में आई बाढ़ के प्रभाव** को कम करना है।
- **विकसित भारत के लिये नौ प्राथमिकताएँ:** केंद्र सरकार ने बजट में **कृषि सुधार, विनिर्माण को बढ़ावा, रोज़गार सृजन, युवा कौशल, MSME समर्थन** और **शहरी बुनियादी ढाँचे के विकास** जैसे नौ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है, जो पूरे देश में समग्र विकास में योगदान देंगे।

चीन सीमा की ओर जाने वाली सड़क का वॉश आउट

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **जोशीमठ को भारत-चीन सीमा से लगे मलारी और नीति (घाटी) के सीमावर्ती गाँवों से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग मिरम** ध्वस्त हो गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- उक्त राजमार्ग की नाकाबंदी कर दी गई जिसके कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई, जिससे विशेष रूप से सीमा की ओर जाने वाले **सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)** के काफिले पर इसका प्रभाव पड़ा।
- **निरंतर वर्षा** और विशेषकर पर्वतीय इलाकों में हुए भूस्खलन के कारण राज्य में **100 से अधिक सड़कों पर आवागमन रोक दिया गया है, जिनमें कई राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं।**

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP)

- ITBP भारत का विशेष पर्वतीय बल है, जिसकी स्थापना **24 अक्तूबर, 1962** को भारत-चीन युद्ध के बाद की गई थी, शुरुआत में इस बल की तैनाती भारत-चीन सीमा पर की गई थी।
- प्रारंभिक तौर पर इसका गठन **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल अधिनियम, 1949** के तहत हुआ। हालाँकि भारतीय संसद द्वारा **1992** में **भा.ति.सी.पुलिस (ITBP) अधिनियम** को अधिनियमित किया गया तथा इसके अधीन नियमों को 1994 में लागू किया गया।
- हालाँकि पिछले कुछ वर्षों में ITBP की तैनाती **नक्सल विरोधी अभियानों सहित विभिन्न आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था** हेतु की गई। यह बल **अधिक ऊँचाई वाले बचाव और पर्वतारोहण अभियानों** में अपनी विशेषज्ञता के लिये जाना जाता है।

तीर्थयात्रियों के प्रबंधन हेतु केंद्र की सहायता

चर्चा में क्यों ?

उत्तराखंड सरकार ने **राज्य में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों के प्रबंधन के लिये नीति आयोग** के माध्यम से **केंद्र से सहायता की मांग** करने का निर्णय लिया।

प्रमुख बिंदु

- **तीर्थयात्रा** पर्यटन के लिये प्रसिद्ध **उत्तराखंड** राज्य अपनी **अस्थायी जनसंख्या** (मूलत: पर्यटक और तीर्थयात्री) **में** प्रतिवर्ष **आठ गुना वृद्धि** के कारण बड़ी समस्या का सामना कर रहा है
- उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार से **केंद्रीय बजट** में **राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF)** के मानदंडों में **वनाग्नि** और **हाई-वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइन की क्षति** से होने वाले नुकसान के लिये मुआवज़े को शामिल करने का अनुरोध किया था
  - देश के 147 सबसे अधिक **भूस्खलन** सुभेद्य ज़िलों में से एक होने के बावजूद राज्य को **ग्रीन बोनस अथवा अस्थायी जनसंख्या** के प्रबंधन के लिये कोई सहायता प्रदान नहीं की गई
  - राज्य को रुद्रप्रयाग और टिहरी जैसे ज़िलों में **हिमनद अथवा भूस्खलन अनुसंधान केंद्रों की स्थापना** जैसी सुविधाएँ प्रदान किये जाने की उम्मीद थी किंतु बजट में इन **मुद्दों को संबोधित नहीं किया गया।**

राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF)

- SDRF का गठन **आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005** की **धारा 48 (1)(a)** के तहत किया गया है।
- इसका गठन **13वें वित्त आयोग** की सिफारिशों के आधार पर किया गया था।
- यह **राज्य सरकार के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि** होती है, जिसका उपयोग प्राय: अधिसूचित आपदाओं हेतु तत्काल राहत प्रदान करने के लिये किया जाता है।
- प्रतिवर्ष **भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (CAG)** द्वारा इसका अंकेक्षण किया जाता है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने राज्य के कुछ हिस्सों में **भारी वर्षा और भूस्खलन** के मद्देनज़र अधिकारियों को तत्काल **"संवेदनशील" गाँवों की पहचान करने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित** करने का निर्देश दिया।

नोट :

मुख्य बिंदु

- अधिकारियों के मुताबिक, **पौड़ी गढ़वाल के तोली, बोध केदार और टिहरी गढ़वाल के जखाना तथा तिनगढ़ में बादल फटने से भारी तबाही हुई।**
- **आपदा प्रभावित क्षेत्र में विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था सुचारु करने के लिये कार्यवाही की जा रही** है तथा पशु हानि के लिये **पशुधन पालकों को 57,500 रुपए की धनराशि भी दी गई है।**

बादल फटना

- **परिचय:**
  - बादल फटना **एक छोटे से क्षेत्र में अल्पकालिक, तीव्र वर्षा की घटनाएँ हैं**
  - यह एक मौसमी घटना है जिसमें लगभग **20-30 वर्ग किलोमीटर के भौगोलिक क्षेत्र में 100 मि.मी./घंटा से अधिक अप्रत्याशित वर्षा होती है**
  - भारतीय उपमहाद्वीप में यह आमतौर पर तब होता है जब **मानसून का बादल बंगाल की खाड़ी या अरब सागर से उत्तर की ओर** मैदानी इलाकों से होते हुए हिमालय की ओर बढ़ता है और कभी-कभी प्रति घंटे 75 मिलीमीटर वर्षा लाता है।
- **घटना:**
  - **सापेक्ष आर्द्रता और बादल आवरण अधिकतम स्तर पर होता है, तापमान कम होता है तथा हवाएँ धीमी होती हैं**, जिसके कारण बहुत अधिक मात्रा में बादल बहुत तेज़ी से संघनित हो सकते हैं एवं बादल फटने का कारण बन सकते हैं
  - **जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वातावरण में अधिक से अधिक नमी बनी रहती है और यह नमी बहुत कम समय के लिये बहुत तीव्र वर्षा के रूप में नीचे आती है,** जो शायद आधे घंटे या एक घंटे की होती है, जिसके परिणामस्वरूप पहाड़ी क्षेत्रों एवं शहरों में बाढ़ आती है।

घरेलू गौरैया पर अध्ययन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII)** द्वारा किये गए एक अध्ययन में **भारतीय हिमालय** के उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में **घरेलू गौरैया** और ग्रामीणों के बीच अनोखे बंधन पर ज़ोर दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- अध्ययन में पाया गया कि **उत्तराखंड में घरेलू गौरैया की आबादी स्थानीय लोगों के साथ** प्रवास करती है, जब स्थानीय लोग शीतकालीन गाँवों में चले जाते हैं तो ये गौरैयाएँ अपने ग्रीष्म ऋतु के वीरान गाँवों को छोड़ देती हैं तथा जब ग्रामीण गर्मियों में वापस आते हैं तो ये गौरैयाएँ भी वापस लौट आती हैं।
  - **अध्ययन का उद्देश्य** इन उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों में **घरेलू गौरैया की ऊँचाई संबंधी गतिविधियों और ठंडी जलवायु परिस्थितियों के प्रति उनके अनुकूलन को समझना है।**
- **उच्च ऊँचाई की स्थितियों के प्रति घरेलू गौरैया का अनुकूलन:**
  - उत्तराखंड में गौरैया की आबादी 3,500 मीटर की ऊँचाई पर पाई जाती है, जो कि एक अनोखी बात है।
  - अध्ययन में पाया गया कि **ऊँचाई वाले गाँवों की घरेलू गौरैया, कम ऊँचाई वाले गाँवों की गौरैयाओं की तुलना में ठंडी जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल होने के कारण शरीर के आकार में बड़ी होती हैं।**
- **संरक्षण प्रयास और जागरूकता:**
  - **स्थानीय लोगों को गौरैया संरक्षण के बारे में जागरूक करने के लिये** पुरोला, रुद्रपुर और हरिद्वार सहित **कई स्थानों पर कृत्रिम घोंसले वितरित किये गए हैं।**
  - यह अध्ययन **स्थानीय लोगों में** घरेलू गौरैया संरक्षण के महत्त्व के बारे में **व्यापक जागरूकता** उत्पन्न कर रहा है और कई लोग सक्रिय रूप से इस प्रयास में लगे हुए हैं, **कृत्रिम घोंसले** की निगरानी कर रहे हैं तथा डेटा संग्रह में योगदान दे रहे हैं।

नोट :

घरेलू गौरैया

- *वैज्ञानिक नाम- पास्सर डोमेस्टिकस (Passer Domesticus)*
- **संरक्षण स्थिति-** अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (International Union for Conservation of Nature-IUCN) *की रेड लिस्ट में सबसे कम चिंताजनक।*
- **आवास और वितरण:**
  - घरेलू गौरैया दुनिया भर में विस्तृत हुई है, **अंटार्कटिका, चीन और जापान को छोड़कर** हर महाद्वीप पर पाई जाती है। यह **यूरेशिया एवं उत्तरी अफ्रीका का मूल निवासी है।**
  - यह **बिहार और दिल्ली का राज्य पक्षी** है।
  - यह **मानव बस्तियों के करीब रहने के लिये** जाने जाते है और इसलिये यह शहरों में सबसे अधिक पाई जाने वाली पक्षी प्रजातियों में से एक है।
- गौरैया की **आबादी में गिरावट** के कुछ **कारण** इस प्रकार हैं:
  - हमारे घरों की प्रतिकूल वास्तुकला।
  - फसलों में रासायनिक खादों का प्रयोग।
  - ध्वनि प्रदूषण।
  - वाहनों से निकलने वाला धुआँ।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :